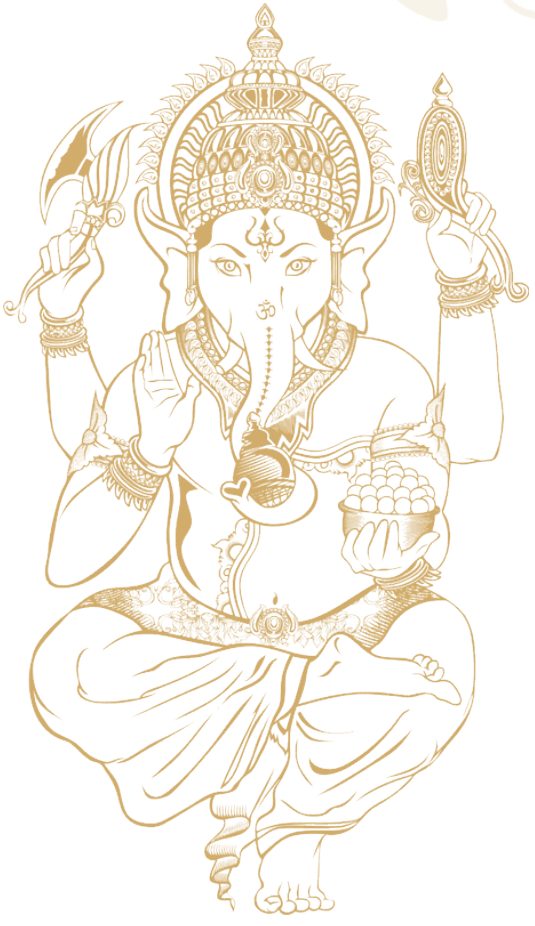

Hiteshi

11 Oct 2001

04:20 PM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121246305

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/10/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**16:20:00 घंटे**
इष्ट	24:49:34 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:53:20 घंटे
वेलान्तर	00:13:14 घंटे
साम्पातिक काल	17:13:43 घंटे
सूर्योदय	06:24:10 घंटे
सूर्यास्त	18:02:23 घंटे
दिनमान	11:38:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:18:38 कन्या
लग्न के अंश	20:04:09 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	20:04:09	494:06:25	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
सूर्य			कन्या	24:18:38	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	10:46:56	14:09:34	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	स्वराशि
मंगल			धनु	25:17:14	00:38:43	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	तुला	00:01:09	01:08:10	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			मिथु	21:00:58	00:04:14	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	01:07:31	01:14:12	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:54:11	00:01:34	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	06:14:09	00:01:58	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	06:14:09	00:01:58	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:11:23	00:00:57	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:07:39	00:00:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:18:03	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			वृश्चि	25:28:58	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:37

लग्न-चलित

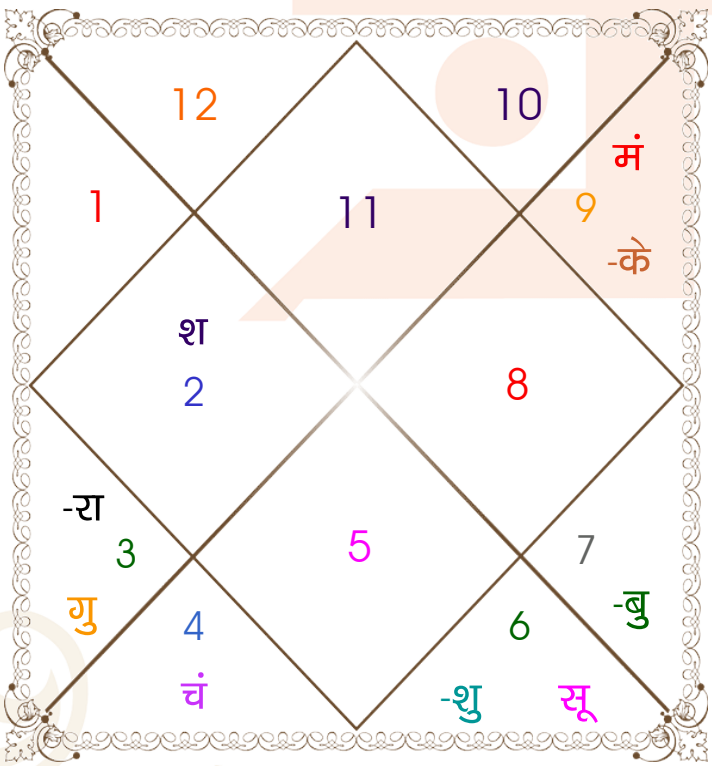

चन्द्र कुंडली

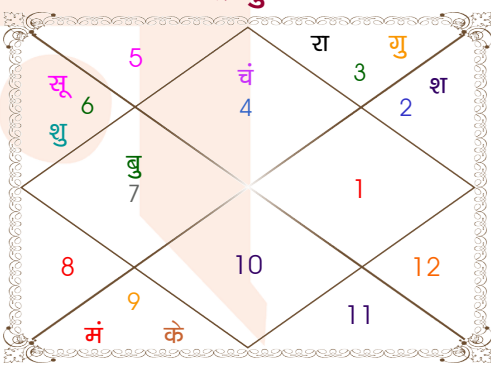

नवमांश कुंडली

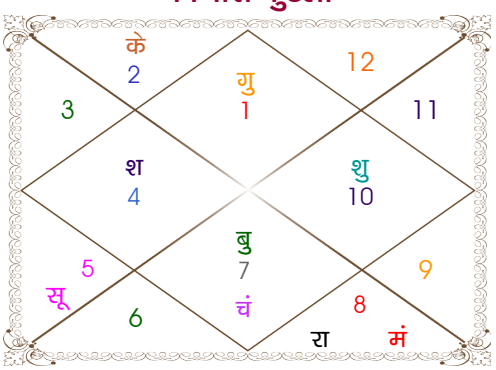

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 4 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/10/2001		01/03/2010		01/03/2027		01/03/2034		01/03/2054	
01/03/2010		01/03/2027		01/03/2034		01/03/2054		29/02/2060	
	00/00/0000	बुध	28/07/2012	केतु	28/07/2027	शुक्र	30/06/2037	सूर्य	18/06/2054
	00/00/0000	केतु	25/07/2013	शुक्र	26/09/2028	सूर्य	01/07/2038	चंद्र	18/12/2054
	00/00/0000	शुक्र	25/05/2016	सूर्य	01/02/2029	चंद्र	29/02/2040	मंगल	25/04/2055
	11/10/2001	सूर्य	31/03/2017	चंद्र	02/09/2029	मंगल	30/04/2041	राहु	19/03/2056
सूर्य	01/02/2002	चंद्र	30/08/2018	मंगल	29/01/2030	राहु	30/04/2044	गुरु	05/01/2057
चंद्र	03/09/2003	मंगल	28/08/2019	राहु	17/02/2031	गुरु	30/12/2046	शनि	18/12/2057
मंगल	12/10/2004	राहु	16/03/2022	गुरु	24/01/2032	शनि	01/03/2050	बुध	24/10/2058
राहु	19/08/2007	गुरु	21/06/2024	शनि	04/03/2033	बुध	30/12/2052	केतु	01/03/2059
गुरु	01/03/2010	शनि	01/03/2027	बुध	01/03/2034	केतु	01/03/2054	शुक्र	29/02/2060

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/02/2060		01/03/2070		01/03/2077		01/03/2095		02/03/2111	
01/03/2070		01/03/2077		01/03/2095		02/03/2111		00/00/0000	
चंद्र	30/12/2060	मंगल	28/07/2070	राहु	12/11/2079	गुरु	18/04/2097	शनि	05/03/2114
मंगल	31/07/2061	राहु	16/08/2071	गुरु	06/04/2082	शनि	31/10/2099	बुध	12/11/2116
राहु	30/01/2063	गुरु	21/07/2072	शनि	10/02/2085	बुध	06/02/2102	केतु	22/12/2117
गुरु	31/05/2064	शनि	30/08/2073	बुध	31/08/2087	केतु	12/01/2103	शुक्र	20/02/2121
शनि	30/12/2065	बुध	27/08/2074	केतु	17/09/2088	शुक्र	12/09/2105	सूर्य	12/10/2121
बुध	31/05/2067	केतु	24/01/2075	शुक्र	18/09/2091	सूर्य	02/07/2106		00/00/0000
केतु	30/12/2067	शुक्र	25/03/2076	सूर्य	12/08/2092	चंद्र	01/11/2107		00/00/0000
शुक्र	30/08/2069	सूर्य	31/07/2076	चंद्र	11/02/2094	मंगल	07/10/2108		00/00/0000
सूर्य	01/03/2070	चंद्र	01/03/2077	मंगल	01/03/2095	राहु	02/03/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 4 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद के प्रथम चरण में कुंभ लग्न, मेष नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण में हुआ था। समन्वित जन्म लग्नादि आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि आपका जीवन सुखद रहेगा। ऐसी आशा है कि आप पर जन्म लग्न का प्रभाव उत्तम प्रकार पड़ेगा तथा आप प्रभावित होकर प्रतिरक्षा की सेवा में उच्च स्तर तक उन्नति कर सकती हैं।

आप में सभी प्रकार के नेतृत्व करने के गुण-विद्यमान हैं। परंतु आपका हृदय अर्थात् आपका स्वभाव गर्म नहीं है। आपका आचरण प्रतिकूल नहीं है। आप में मानवता है तथा आप सदैव दूसरों के लिए सहायक हैं। आप स्वभाव से वाचाल हैं। आप अपने शिष्यों पर अच्छा प्रभाव रखती हो एवं आप अपने सगे संबंधियों एवं मित्र से युक्त रह कर प्रसन्न रहती हो।

आप एक विश्वासी और आलस्य से मुक्त रहती हो। आप अत्यंत संवेदनशील एवं शीघ्रता पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने वाली हो। आप अपना दायित्व सुव्यवस्थित ढंग से शीघ्रता पूर्वक निभाती हैं। आप सपत्नीक अपना अधिकार एवं संपत्ति को ध्यान में रख कर धन उर्पाजन हेतु प्रयत्नशील रहती हो। आप धनी बनने में सफल हो जाओगी।

आप संवेदनशील विषयों के प्रति रूचिवान रहती हो। प्रस्तुत छवि के अनुसार आप स्वभाव से एक दम परम्परागत प्राणी लगती हो। आप विवेकशील एवं स्वच्छ हृदय की प्राणी हों। आप किसी भी तथ्य की भली प्रकार गहराई से अध्ययन करती हो एवं नवीनतम प्रक्रिया तथा प्रभावशाली ढंग से उस कार्य को संचालित करती हो। आप में एक अच्छे नेतृत्व के गुण विद्यमान हैं। आप इस स्रोत से क्या लाभ या हानि होगा। इसका परीक्षण कर सकती हों।

आप अपने पति के साथ मात्र संभोगात्मक भावना से ही व्यवहार नहीं करती परंतु सर्वथा अपने पति की अभिव्यक्ति को समझने एवं उसकी राय को महत्त्व देने के लिए तत्पर रहती हो। आप एक सुव्यवस्थित पारिवारिक जीवन बिताना चाहते हैं तथा पति एवं बच्चों के सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए बहुत अधिक मात्रा में सुव्यवस्था करती हो। आप अपने कार्य व्यवसाय हेतु संबंधित कार्य यथा भाषा कार्य, धर्म दर्शन शास्त्र, ज्योतिषीय, शिक्षण कार्य, वकालत एवं राजनीति कार्य में से किसी कार्य को अपनी इच्छानुसार चयन कर सकती हो।

किसी भी प्रकार से आपका स्वास्थ्य सदैव उत्तम रहेगा तथा आप इसें किसी भी प्रकार से आपत्तिजनक नहीं समझती हो। आप उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखेंगी। परंतु जब आपकी आयु अधिक हो जाएगी तब ऐसा हो सकता है कि जॉनडिस, रक्तचाप, हृदय संबंधी दिक्कतें से आप अद्योगति को प्राप्त हो जाएं। इन रोगादिक कारणों से यह सुनिश्चित नहीं है कि आप प्रभावित हो जाएं। परंतु यह विचारणीय है कि इन संभावनाओं के प्रति सुरक्षात्मक कदम समय से पूर्व उठाना चाहिए।

अतएव कुंभ राशीय प्रभाव के अनुसार बार-बार सर्दी जुकाम, अथवा शीत जनित प्रभाव के रोगादि से संभलकर रहना चाहिए तथा इन बिंदुओं पर चिकित्सक की राय सदैव लेते रहना चाहिए। आपको सर्वथा विश्रांति ग्रहण भी करते रहना चाहिए।

आप उत्तेजनात्मक प्रवृति की उच्च स्तरीय साहसी महिला हैं। आप अनेक मित्रों से भली प्रकार संबंधित रहते हैं तथा आपके लिए उनका संबंध उत्तम है। अतएव आपमें ऐसी आदत नहीं है कि आप अन्यों के साथ किसी भी प्रकार का भ्रामक आचरण करें। आप सुविख्यात हैं। परंतु आपको सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि कुछ व्यक्ति आपकों जन सामान्य के साथ अधिक संलग्न समझकर आपकें विरूद्ध अविश्वासनीयता का प्रदर्शन कर सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्तम एवं महत्वपूर्ण रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु हर दशा में नारंगी रंग, हरा एवं ब्लू रंग अव्यवहरणीय है।